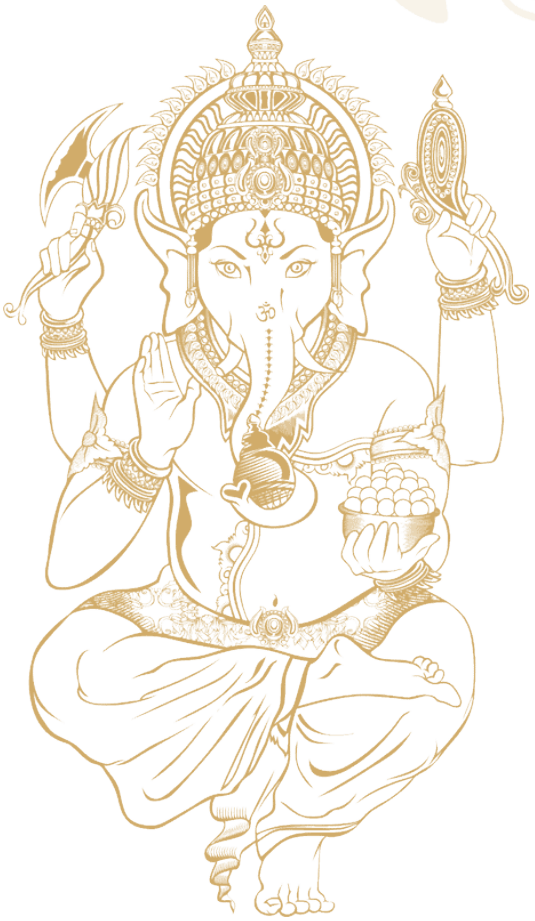

Ladki

07 Mar 2026

01:06 PM

Shamli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121531306

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**07/03/2026**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:06:00 घंटे**
इष्ट	16:04:10 घटी
स्थान	**Shamli**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	29:27:00 उत्तर
रेखांश	77:18:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:20:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:45:12 घंटे
वेलान्तर	-00:11:02 घंटे
साम्पातिक काल	23:45:21 घंटे
सूर्योदय	06:40:20 घंटे
सूर्यास्त	18:23:49 घंटे
दिनमान	11:43:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	22:30:40 कुम्भ
लग्न के अंश	15:13:19 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 1**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	ध्रुव
करण	बालव
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रू-रूपा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:13:19	318:22:07	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	केतु	---
सूर्य			कुंभ	22:30:40	01:00:02	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	07:36:35	12:16:39	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	09:29:46	00:47:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	22:47:51	01:00:17	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:53:12	00:00:45	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	06:51:21	01:14:38	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि			मीन	08:15:38	00:07:18	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:43:14	00:01:02	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:43:14	00:01:02	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:39:36	00:01:36	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:02:58	00:02:13	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:28:26	00:01:31	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			मीन	01:47:21	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

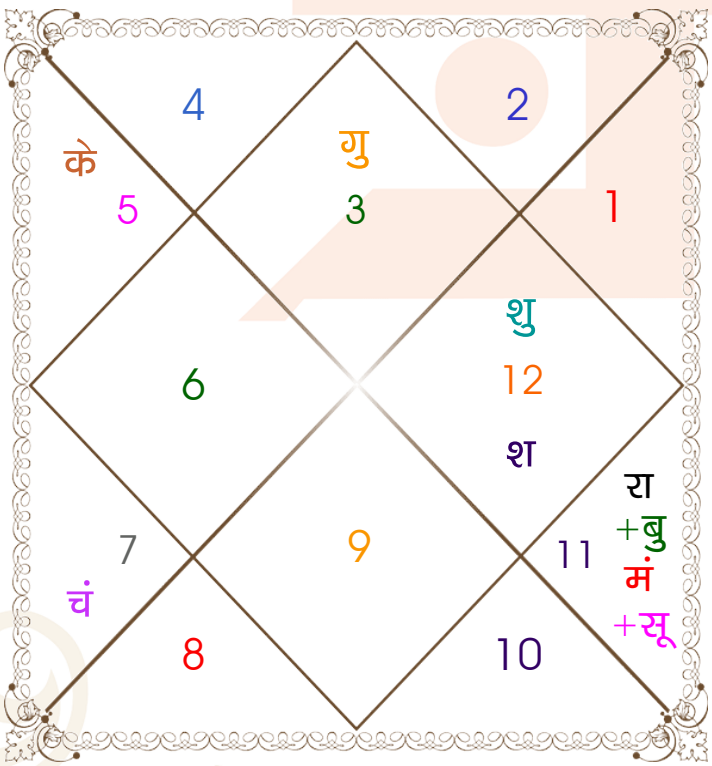

चन्द्र कुंडली

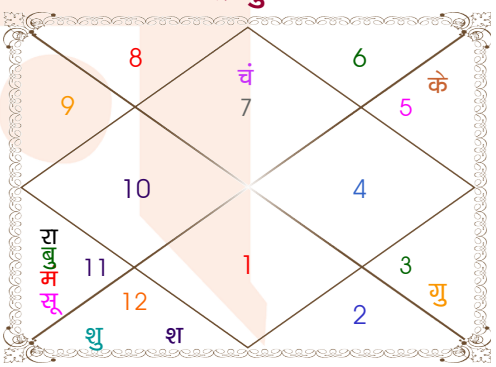

नवमांश कुंडली

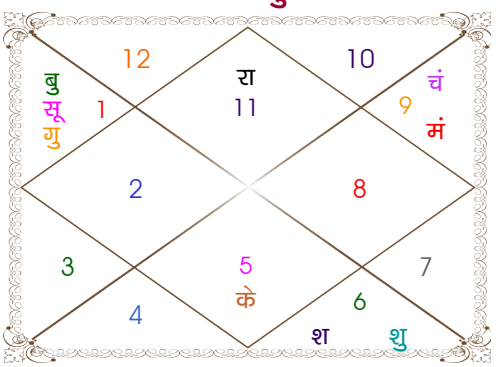

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 16 वर्ष 8 मास 22 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
07/03/2026		28/11/2042		28/11/2058		27/11/2077		28/11/2094	
28/11/2042		28/11/2058		27/11/2077		28/11/2094		28/11/2101	
राहु	10/08/2027	गुरु	15/01/2045	शनि	30/11/2061	बुध	25/04/2080	केतु	26/04/2095
गुरु	03/01/2030	शनि	29/07/2047	बुध	09/08/2064	केतु	22/04/2081	शुक्र	25/06/2096
शनि	09/11/2032	बुध	03/11/2049	केतु	18/09/2065	शुक्र	21/02/2084	सूर्य	31/10/2096
बुध	29/05/2035	केतु	10/10/2050	शुक्र	18/11/2068	सूर्य	28/12/2084	चंद्र	01/06/2097
केतु	16/06/2036	शुक्र	10/06/2053	सूर्य	31/10/2069	चंद्र	29/05/2086	मंगल	28/10/2097
शुक्र	16/06/2039	सूर्य	29/03/2054	चंद्र	01/06/2071	मंगल	26/05/2087	राहु	15/11/2098
सूर्य	10/05/2040	चंद्र	29/07/2055	मंगल	10/07/2072	राहु	13/12/2089	गुरु	22/10/2099
चंद्र	09/11/2041	मंगल	04/07/2056	राहु	17/05/2075	गुरु	19/03/2092	शनि	01/12/2100
मंगल	28/11/2042	राहु	28/11/2058	गुरु	27/11/2077	शनि	28/11/2094	बुध	28/11/2101

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
28/11/2101		28/11/2121		29/11/2127		28/11/2137		28/11/2144	
28/11/2121		29/11/2127		28/11/2137		28/11/2144		00/00/0000	
शुक्र	30/03/2105	सूर्य	18/03/2122	चंद्र	28/09/2128	मंगल	26/04/2138	राहु	08/03/2146
सूर्य	30/03/2106	चंद्र	17/09/2122	मंगल	29/04/2129	राहु	15/05/2139		00/00/0000
चंद्र	29/11/2107	मंगल	22/01/2123	राहु	29/10/2130	गुरु	20/04/2140		00/00/0000
मंगल	28/01/2109	राहु	17/12/2123	गुरु	28/02/2132	शनि	30/05/2141		00/00/0000
राहु	29/01/2112	गुरु	04/10/2124	शनि	28/09/2133	बुध	27/05/2142		00/00/0000
गुरु	29/09/2114	शनि	16/09/2125	बुध	28/02/2135	केतु	23/10/2142		00/00/0000
शनि	28/11/2117	बुध	24/07/2126	केतु	29/09/2135	शुक्र	23/12/2143		00/00/0000
बुध	28/09/2120	केतु	29/11/2126	शुक्र	30/05/2137	सूर्य	29/04/2144		00/00/0000
केतु	28/11/2121	शुक्र	29/11/2127	सूर्य	28/11/2137	चंद्र	28/11/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 16 वर्ष 8 मा 26 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।